११.गजवदन बेडुवे...

गजाननं भूतगणादि सेवितं कपित्थ जंबूफ़लसार भक्षितां
उमा सुतं शोक विनाश कारणं नमामि, विघ्नेश्वर पाद पंकजं 'श्लोक'
गजवदन बेडुवे गौरी तनय, त्रिजग वंदितने, सुजनर पोरेवने

पाशांकुश धर परम पवित्र, मूषक वाहन मुनिजन प्रेम------------------१

मोददिंदलि निन्न पादव नंबिदे साधु वंदितने अनादर माडदे------------२

सरसिजनाभ श्री पुरंदर विठलन निरत नेनेयुवंते वरदय माडो---------३